उत्पत्ति ३६
पितृसत्ताओं का अंत

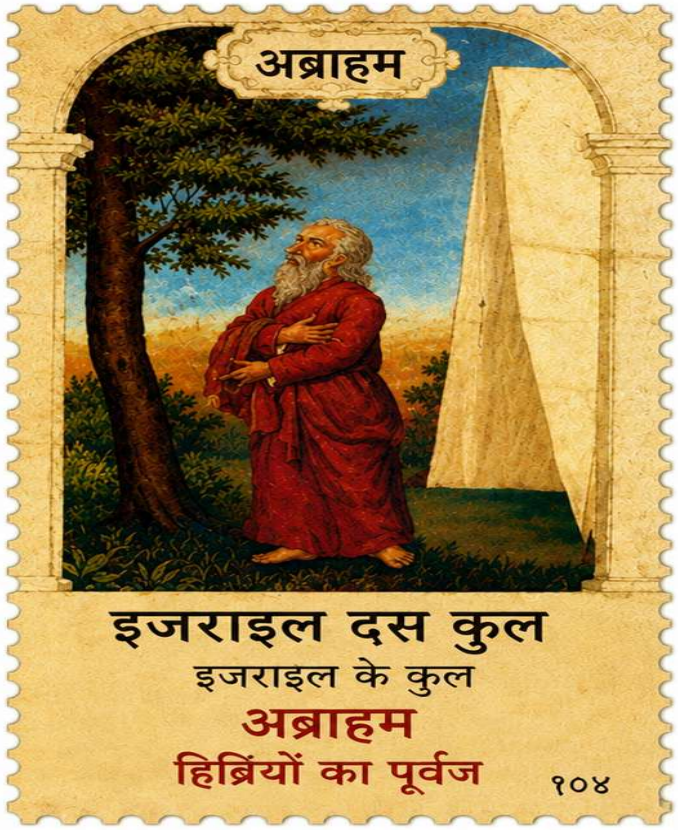

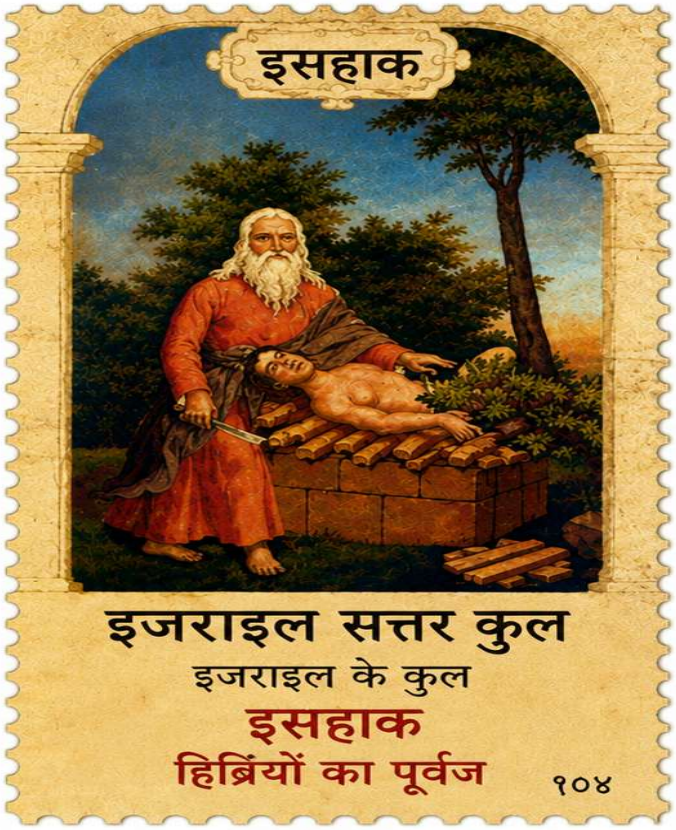

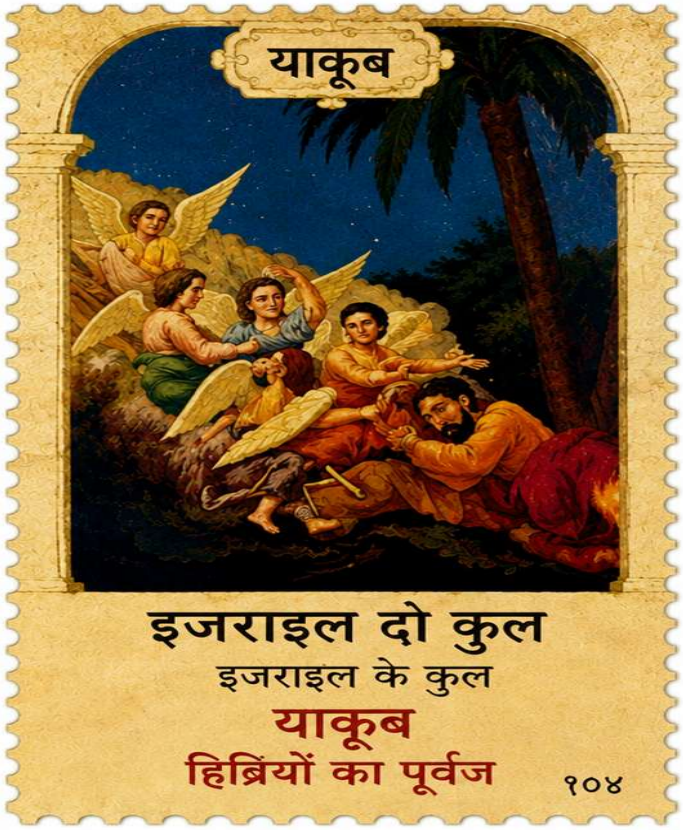

एदोम = एसाव

- एसाव एदोमी कबीलों का संस्थापक है।
- सेईर और एदोम एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त शब्द हैं।
- उत्पत्ति २७:३८ और एसाव ने अपने पिता से कहा, “हे मेरे पिता, क्या तेरे पास केवल एक ही आशीष है? हे मेरे पिता, मुझे भी, मुझे भी आशीष दे।” तब एसाव ने ऊँचे स्वर से रोकर चिल्लाया। ३९ तब उसके पिता इसहाक ने उत्तर दिया और उससे कहा, “देख, पृथ्वी की उर्वरता से दूर तेरा निवास होगा, और ऊपर से आकाश की ओस से भी दूर। ४० और अपनी तलवार से तू जीवित रहेगा, और अपने भाई की सेवा करेगा; परन्तु जब तू बेचैन हो जाएगा, तब तू उसके जूए को अपनी गर्दन से तोड़ डालेगा।”

एसाव और एदोम अधर्म और बुराई के प्रतीक हैं

- मूसा इस्राएल को आज्ञा देता है "एदोमी से घृणा न करना" व्यवस्थाविवरण २३
- क्योंकि एदोमी इस्राएल के "सम्बन्धी" माने जाते हैं
- बाइबिल सभी पारिवारिक सम्बन्धों को कबीलाई दृष्टिकोण से बताती है
- पश्चिमी मन के लिए कबीलाई समाजों को समझना कठिन है

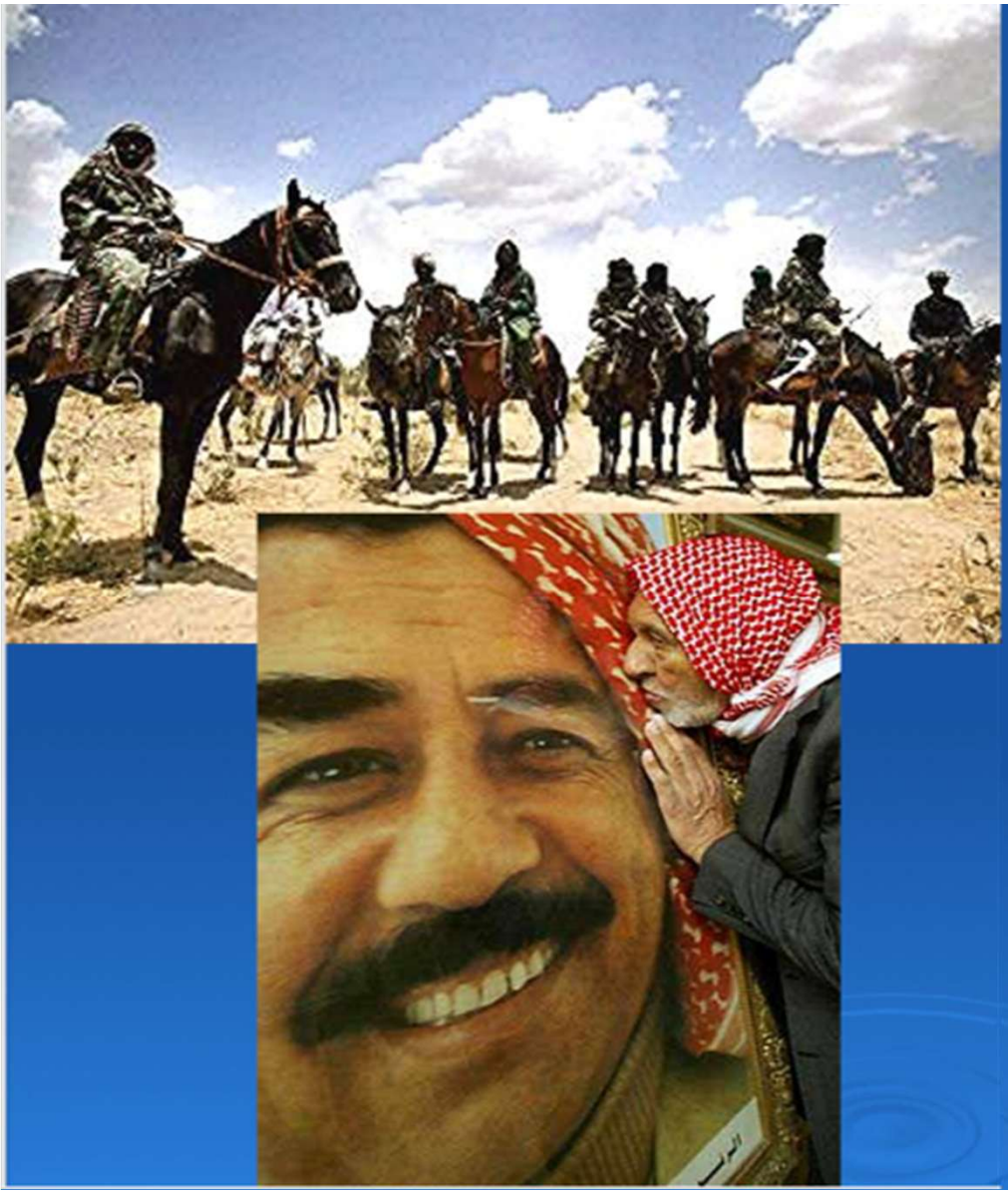

युद्ध-नेता = कबीलाई नेता

- अरबों में सद्दाम हुसैन को “दुष्ट लड़का” माना जाता था।
- दुर्व्यवहार का दोषी।
- हत्या और प्रभुत्व के लिए निरन्तर संघर्ष कबीलाई समाजों में सामान्य है।
- बाइबिल में, एसाव एक “दुष्ट लड़का” है और इश्माएल चुना हुआ नहीं है...परन्तु...
- वे बड़े अर्थ में अब भी इस्राएल के सम्बन्धी माने जाते हैं।

एसाव के पुत्र प्रतिज्ञात भूमि में जन्मे

- याकूब के पुत्र मेसोपोटामिया में जन्मे।
- एसाव ने अपने परिवार को आशीष की भूमि से हटा लिया।
- याकूब ने अपने परिवार को आशीष की भूमि में लाया।
- इस्राएल के लोग (आशीष में जन्मे) ने उसे अस्वीकार किया।
- अन्यजाति (आशीष के बाहर जन्मे) येशु के द्वारा उसे स्वीकार करते हैं।
- यह एक परमेश्वर-प्रतिरूप है जो उत्पत्ति १ से आरम्भ हुआ।

क. एसाव की पत्नियाँ

1. (उत्पत्ति 36:1–3)

अदाह	ओहोलिबामह	बसेमथ
हित्ती एलोन की पुत्री	आनह की पुत्री हिवी ज़िबोन की पुत्री	इश्माएल की पुत्री नेबायोथ की बहन

2. (उत्पत्ति 26:34; 28:9)

यूदिथ	बसेमथ	महलाथ
हित्ती बेकरी की पुत्री	हित्ती एलोन की पुत्री	इश्माएल की पुत्री नेबायोथ की बहन

ख. एसाव के वंशज

उत्पत्ति *36:9–14*

अदाह
एलिफाज़ ---------- तिमना
तेमान ओमर जफ़ो गताम किनाज़
अमालेक

बसेमथ
रएएल
नहत जेरह शम्माह मिज्ज़ाह

ओहोलिबामह
यूस ज़लाम कोरह

ग. अलूफ़ीम

(उत्पत्ति *36:15–19*)

अदाह
एलिफाज़
तेमान ओमर जफ़ो किनाज़ कोरह गताम अमालेक

बसेमथ
रएएल
नहत जेरह शम्माह मिज्ज़ाह

ओहोलिबामह
यूस ज़लाम कोरह

घ. इदोमी

(उत्पत्ति *36:40–43*)

तिमना, अल्वाह, जैथेत, ओहोलिबामह, एलाह, पीनोन, किनाज़, तेमान, मिब्ज़्ज़ार, मगदिएल, इराम

- ➤ वंश-वृक्ष उनके उद्देश्य के अनुसार भिन्न हो सकते हैं।
- ➤ एसाव के विषय में, दो भिन्न सूचियाँ उस समय की पत्नियों से सम्बन्धित थीं जो उसके पास थीं।
- ➤ अथवा, यह कबीलों और गोत्रों के बीच विवाह के कारण नाम परिवर्तन के कारण था।

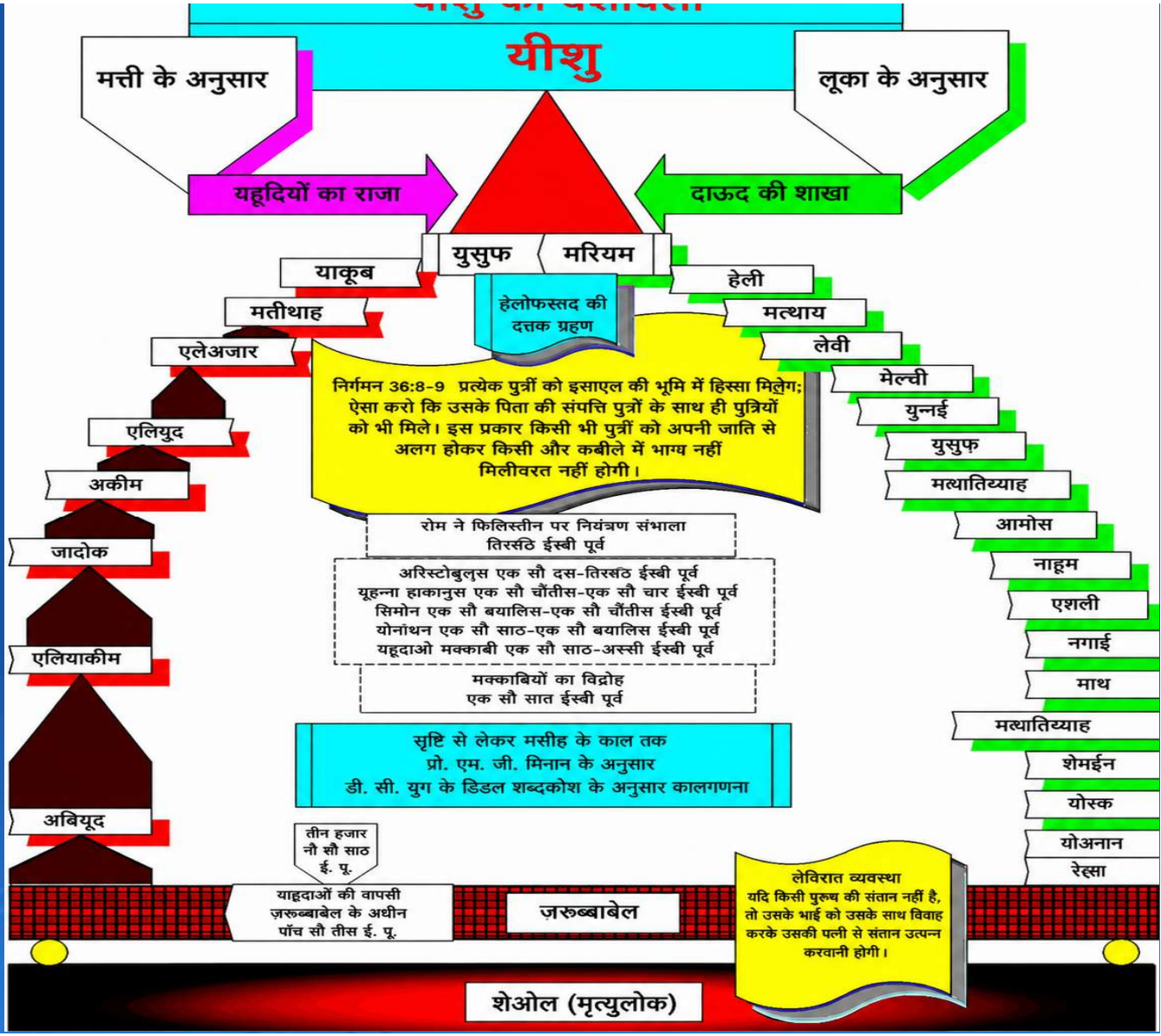

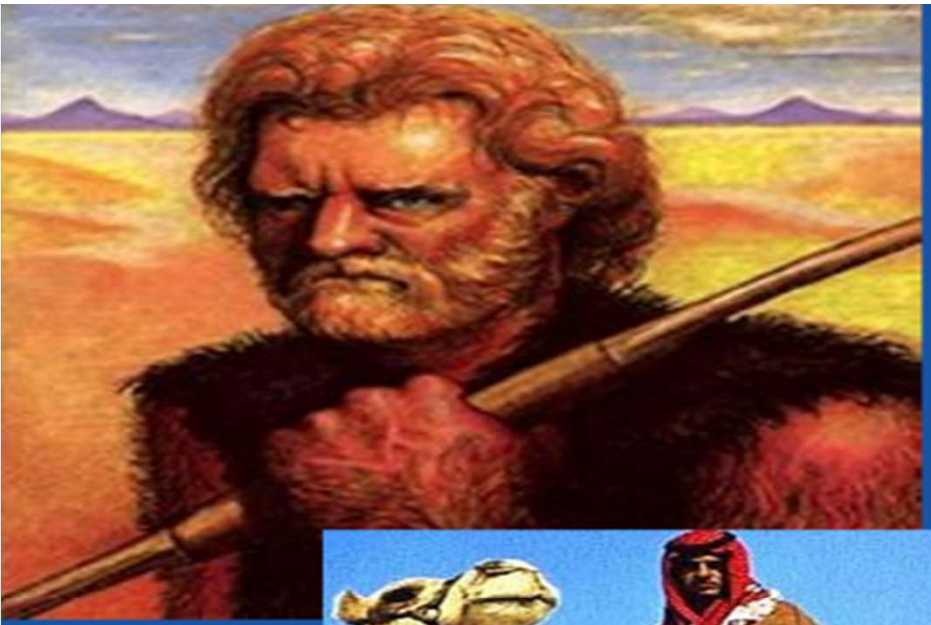

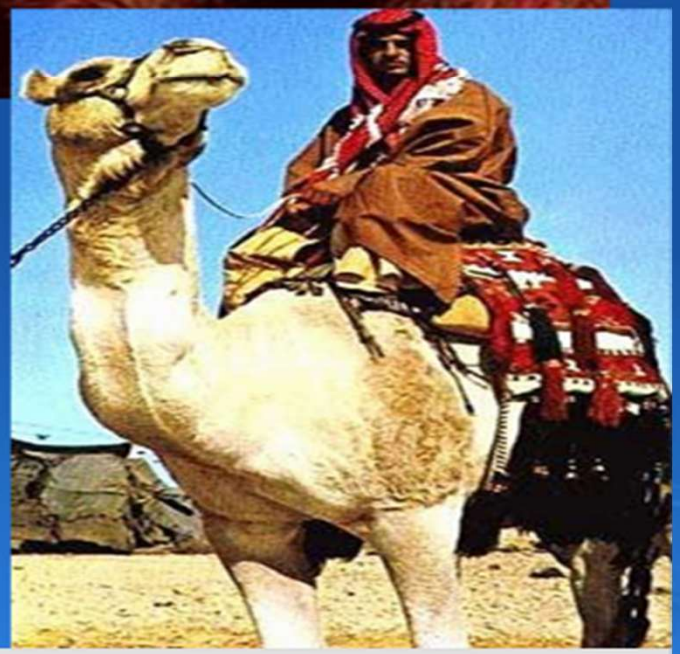

एसाव और इश्माएल के कबीलों के बीच अन्तर्विवाह

- अन्तर्विवाह यीशु के दिनों तक इतना महत्वपूर्ण हो गया था कि एसाव से आए लोगों और इश्माएल से आए लोगों में भेद करना कठिन हो गया।
- सच्चा "अरब" इश्माएल का वंशज है।
- आधुनिक मध्य पूर्वी कबीलों में अधिकांश मिश्रित हैं।

➢ अमालेक इसाएल का प्रारंभिक शत्रु था

ख. इसाव के वंशज

उत्पत्ति *36:9–14*

अदाह
एलीफाज़ ---------- तिमना
तेमान ओमर जफो गताम केनाज़
अमालेक

बसेमथ
रएएल
नहत जेरह शम्माह मिज्झाह

ओहोलिबामह
यूस जलाम कोरह

अमालेक

उत्पत्ति अध्याय ३७
यूसुफ और इस्राएल

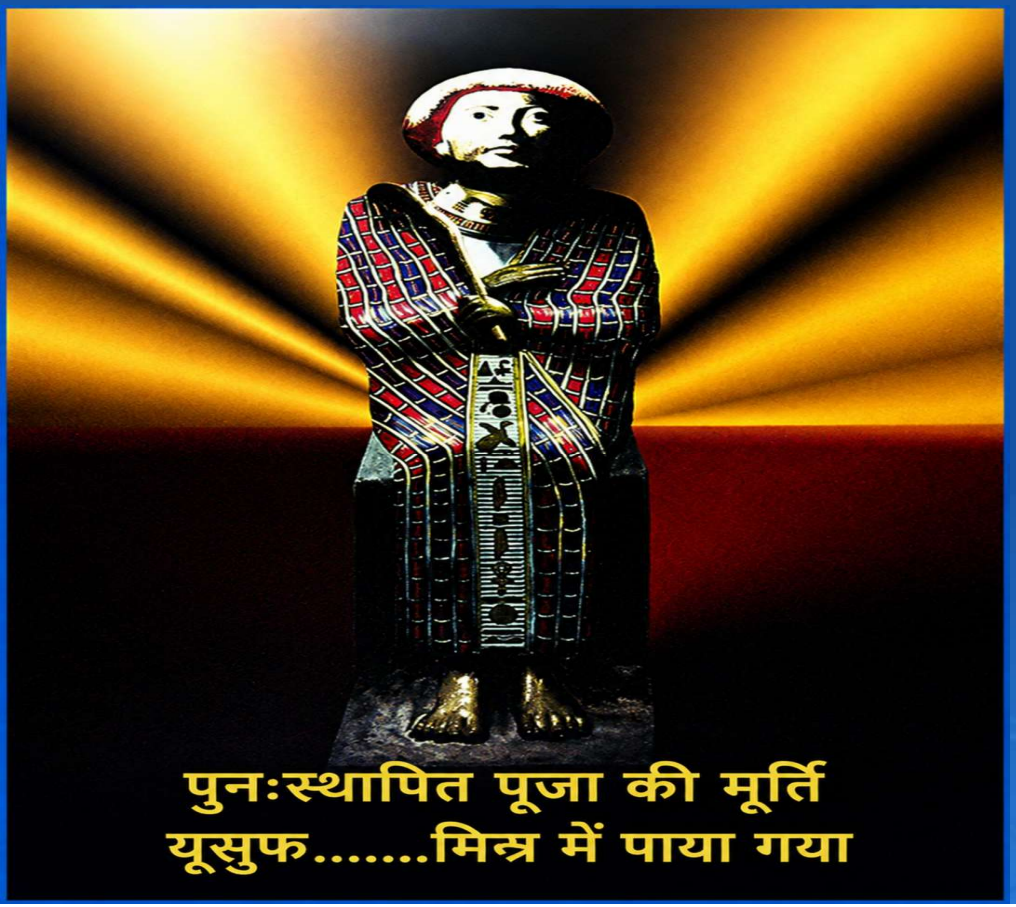

- इस्राएल अब केन्द्र-बिन्दु है।
- इस्राएल ने अभी तक "जाति" की स्थिति प्राप्त नहीं की है।
- यूसुफ को पितृसत्ता क्यों नहीं माना जाता?
- सम्भवतः इसलिए कि उसके पास परमेश्वर के साथ सीधा दो-तरफ़ा संवाद नहीं था।

परमेश्वर के शासन के गतिशील तत्व

- पहला था: विभाजन, चुनाव, अलगाव
- पवित्रीकरण इसी शासन गतिशील का कार्य है
- सामान्य संसार की स्थिति है
- पवित्र परमेश्वर के अलग किए हुए लोगों की स्थिति है
- दूसरा शासन गतिशील है: दिव्य प्रोविडेंस
- दिव्य प्रोविडेंस परमेश्वर की इच्छा का कार्य है जो अधिकांशतः अदृश्य रूप से, मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा का उपयोग करके होता है
- मनुष्य आमतौर पर इससे अनजान रहता है, फिर भी अक्सर इसका भागीदार होता है

यूसुफ १७ वर्ष का

- वर्तमान में कनान में रह रहा है।
- जब यूसुफ को मिस्र ले जाया गया, तब इसहाक अभी जीवित था।
- अब्राहम को दी गई भविष्यसूचक आशीष अब प्रकट होने वाली थी।
- उत्पत्ति १५:१३ और परमेश्वर ने अब्राम से कहा, “निश्चय जान ले कि तेरे वंशज एक ऐसी भूमि में परदेशी होंगे जो उनकी नहीं है, और वहाँ वे चार सौ वर्ष तक दास बनाए जाएँगे और पीड़ित किए जाएँगे। १४ परन्तु जिस जाति की वे सेवा करेंगे, उसका मैं न्याय करूँगा; और उसके बाद वे बहुत सम्पत्ति लेकर निकलेंगे।”